AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कॉलेज में आवेदन को लविवि में पंजीकरण जरूरी

देनी होगी 100 रुपये फीस, पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण के बाद जारी होगा यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त महाविद्यालयों में आवेदन से पहले अब हर विद्यार्थी को अपना पंजीकरण लविवि के पोर्टल पर कराना होगा। इसके लिए उसे 100 रुपये फीस भी देनी होगी। इसके बाद उसे एक यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर मिलेगा। इस नंबर से ही छात्र महाविद्यालयों में आवेदन कर सकेगा। विवि की वित्त समिति की बैठक में यह प्रस्ताव पास हो गया है। कार्य परिषद से मंजूरी मिलने के बाद इसे अमल में लाया जाएगा।

लविवि से इस समय राजधानी के साथ ही रायबरेली, हरदोई, लखीमपुरखीरी और सीतापुर के 545 कॉलेज सहयुक्त हैं। इन कॉलेजों में इस समय करीब तीन लाख के

वित्त समिति ने पास किया प्रस्ताव, कार्य परिषद के अनुमोदन के बाद लागू की जाएगी व्यवस्था

सीटें हैं। बीएड, बीपीएड और डीएलएड पाठ्यक्रमों को छोड़कर अन्य सभी पाठ्यक्रमों के दाखिले अभी तक महाविद्यालय स्तर पर ही किए जाते हैं। दाखिले होने के बाद महाविद्यालय से उनके परीक्षा फॉर्म आ जाते हैं और विवि उनकी परीक्षा कराता है। महाविद्यालय के दाखिलों में अभी तक लविवि का कोई रोल नहीं था। अब इसमें एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब किसी भी महाविद्यालय में आवेदन करने से पहले लविवि से एक यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर लेना होगा। इसी नंबर के आधार पर वे महाविद्यालय में आवेदन कर सकेंगे। यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर न होने पर आवेदन और दाखिला दोनों अवैध माने जाएंगे। ऐसा होने के बाद लविवि को हर छात्र के हिसाब से 100 रुपये का पंजीकरण शुल्क देना होगा। इसके लिए एक अलग पोर्टल संचालित होगा। इस पोर्टल पर विद्यार्थी को अपना नाम, पता, आधार नंबर तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दर्ज करानी होगी। इसी के बाद उसे यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर जारी होगा।

■ ***लविवि के लिए खुलेगा आय का नया स्रोत :*** महाविद्यालय में आवेदन के लिए यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर से लविवि को अतिरिक्त आय होगी। इस समय लविवि से सहयुक्त महाविद्यालयों में तीन लाख के करीब सीटें हैं। करीब डेढ़ लाख दाखिले हर साल हो रहे हैं। जिन कॉलेजों में सीटें खाली रहती हैं, उनमें से ज्यादातर स्ववित्तपोषित ही हैं। वहीं, इससे अलग लविवि के साथ ही कई महाविद्यालय में एक-एक सीट पर दाखिले के लिए 20 से ज्यादा विद्यार्थी होते हैं। यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर की व्यवस्था के बाद लविवि को हर विद्यार्थी से 100 रुपये मिलने हैं। ऐसे में विवि के लिए आय का एक नया स्रोत खुल जाएगा। वहीं दूसरी तरफ विद्यार्थियों पर फीस का एक अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

दोहरे दाखिले से मिलेगी निजात, परीक्षा कराने में होगी आसानी

लविवि की इस नई व्यवस्था से विद्यार्थियों पर आर्थिक बोझ पड़ेगा वहीं दूसरी तरफ विवि को कई फायदे मिलेंगे। अतिरिक्त आय के साथ ही विवि को परीक्षा का डाटा पहले ही मिल जाएगा। विवि के बाद कॉलेज का पूरा डाटा पोर्टल पर मौजूद होगा। कॉलेज से उसका फॉर्म आने पर उसका मिलान हो जाएगा। दूसरा फायदा एक ही विद्यार्थी के दो कॉलेजों में दाखिला लेने की आशंका समाप्त होगी।

पंजीकरण अनिवार्य

“ वित्त समिति ने महाविद्यालय में दाखिले के लिए आवेदन करने वाले हर विद्यार्थी के यूनीक आईडेंटिफिकेशन नंबर जनरेशन को स्वीकृति दी है। इस नंबर को पाने के लिए विद्यार्थी को पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए उसे 100 रुपये फीस देनी होगी। **-संजय मेधावी,** कुलसचिव लविवि

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू और कॉलेजों में बिना पंजीकरण के प्रवेश नहीं

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने समय से सही डाटा मैनेजमेंट के लिए एक नई व्यवस्था की है। अब छात्रों को प्रवेश लेने से पहले एलयू की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके बाद ही कोई विद्यार्थी एलयू या संबंद्ध कॉलेजों में प्रवेश ले सकेगा।

रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने बताया कि सत्र 2023-24 में जो छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय व इससे संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें एलयू के एडमिशन पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के समय 100 रुपये का शुल्क देय होगा। साथ ही विद्यार्थियों को नाम, पता, मोबाइल नंबर व अन्य जानकारियां पोर्टल में भरनी होगी। इसका एक प्रिंटआउट छात्र को अपने पास रखना होगा। रजिस्ट्रार का कहना है कि 100 रुपये का भुगतान एक बार ही करना होगा।

प्रवेश के समय ही होगी स्पष्टता

रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने बताया कि इस प्रक्रिया से छात्र एलयू में प्रवेश लेता है तो एलयू की वेबसाइट पर खुद ही डाटा अपडेट हो जाएगा। कॉलेज में प्रवेश के दौरान स्टूडेंट्स को अपना यूनिक आईडी नंबर बताना होगा। उस यूनिक आईडी नंबर को कॉलेज एलयू को भेजेगा। जिसके बाद एलयू प्रवेश लेने वाले छात्र का डाटा अपडेट कर लेगा। रजिस्ट्रार का कहना है कि इस व्यवस्था से प्रवेश के दौरान ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि किस कॉलेज में कितने छात्रों ने किस स्ट्रीम में प्रवेश लिया है। उनका कहना है कि अभी तक यह डाटा परीक्षा फॉर्म भरे जाने के समय मिल पाता था।

कॉलेजों को होगी दिक्कतें

अभी तक कॉलेज परीक्षा फॉर्म भरे जाने तक प्रवेश लेते रहते थे। इस स्थिति में छात्र की सही से पढ़ाई भी नहीं हो पाती थी। वहीं सही डाटा भी आखिरी समय तक नहीं मिल पाता था। इस स्थिति में परीक्षा के समय पेपर कितने छपवाए जाएं, इसको लेकर भी समस्या होती थी।

i-NEXT PAGE 3

लखनऊ यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स को...

अब एडमिशन से पहले कराना होगा रजिस्ट्रेशन

LUCKNOW (16 March): लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में आगामी सत्र के दाखिले से पहले अभ्यर्थियों को एलयू के पोर्टल पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा. इसके लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को 100 रुपये का शुल्क जमा करना होगा. यह राशि आवेदन शुल्क से अलग होगी. इसके बाद विश्वविद्यालय उन्हें एक यूनीक रजिस्ट्रेशन नंबर देगा. इसके आधार पर वह किसी भी महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेगा. उसमें यह नंबर भी भरना होगा. वित्त समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है.

i UPDATE

एलयू ने कैंपस व पांच जिलों के सम्बद्ध डिग्री कालेजों के लिए लागू की नई व्यवस्था

545 कालेज सम्बद्ध

लखनऊ यूनिवर्सिटी से लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर व लखीमपुर खीरी के 545 कालेज सम्बद्ध हैं. अभी तक कालेजों में आवेदन के लिए अभ्यर्थी सीधे आनलाइन एवं आफलाइन माध्यम से आवेदन फार्म भरते हैं. लेकिन नए सत्र से एक नई व्यवस्था लागू होगी.

पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन

लखनऊ यूनिवर्सिटी के कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि अब कैंपस व डिग्री कालेजों में प्रवेश के लिए जो भी अभ्यर्थी आवेदन करेगा, उसे सबसे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय के पोर्टल पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा. इसमें उन्हें अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित पूरा विवरण देना होगा. इसके लिए 100 रुपये शुल्क लगेगा. प्रत्येक अभ्यर्थी को एक यूनीक आइडी मिलेगी, उसके माध्यम से वह विश्वविद्यालय एवं कालेजों में प्रवेश फार्म भर सकेंगे. प्रवेश के समय उन्हें पंजीकरण का प्रिंट भी जमा करना होगा.

●छूटी प्रयोगात्मक परीक्षा 10 व 11 को

लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी केमिस्ट्री तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के छूटे हुए छात्र-छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा 10 व 11 अप्रैल को होगी. गुरुवार को विभाग के हेड प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया. विद्यार्थियों को 31 मार्च से पहले 500 रुपये आनलाइन फीस जमा करनी होगी.

●मांगी खाता संख्या

उद्दीपन, प्रोत्साहन व एक्लिम योजना के तहत अवार्ड के लिए शिक्षकों व शोधार्थियों का चयन किया जा चुका है. अब इन सभी को पुरस्कार की राशि दी जानी है. इसके लिए कुलसचिव संजय मेधावी ने सूची जारी कर बैंक खाता संख्या, बैंक का नाम, आइएफएस कोर्ड व पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति अधिष्ठाता शोध को ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध कराने के लिए कहा है.

एलयू के पास रहेगा डेटा

अभी तक लखनऊ यूनिवर्सिटी को परीक्षा फार्म भरने पर पता चलता था कि कालेजों में कितने प्रवेश हुए हैं. अब रजिस्ट्रेशन के बाद कालेजों को अपने यहां हुए प्रवेश की रिपोर्ट भेजनी होगी. इसमें यूनीक आइडी नंबर से पता चल सकेगा कि किस छात्र ने किन कोर्स में प्रवेश लिया है. कुलसचिव ने बताया कि जो कालेज केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया के तहत लविवि से जुड़े हैं, उन पर भी यह नई व्यवस्था लागू होगी.

●पड़ेगा विद्यार्थियों पर भार

सेल्फ फाइनेंस डिग्री कालेज एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश सिंह का कहना है कि लखनऊ यूनिवर्सिटी पहले ही 500 रुपये एनरोलमेंट का ले रहा है. वही ज्यादा है. अब 100 रुपये का अतिरिक्त भार अभ्यर्थियों पर डालना उचित नहीं है.

शिक्षकों संग शोधार्थियों को भी किया पुरस्कृत

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि की बूस्ट स्कीम के तहत बृहस्पतिवार को शैक्षिक सत्र 2021-22 में चयनित शिक्षकों व शोधार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 32 शिक्षकों व 34 शोधार्थियों को पुरस्कृत किया।

वहीं, सत्र 2021-22 के लिए प्रो. ध्रुवसेन सिंह और प्रो. आरपी सिंह को एक्लेम पुरस्कार से नवाजा गया। यह पुरस्कार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट रूप से सम्मानित होने वाले शिक्षकों को दिया जाता है। दोनों शिक्षकों को विवि द्वारा प्रमाणपत्र के साथ पांच हजार रुपये पारितोषिक के रूप में प्रदान किए गए। उत्कृष्ट शोध परियोजनाओं के लिए 20 हजार रुपये की सीड मनी और प्रमाण पत्र दिए गए। इस वर्ष यह पुरस्कार डॉ. सुचित स्वरुप, डॉ. आकांक्षा शर्मा, डॉ. आशुतोष रंजन, डॉ. मनोज कुमार (जन्तु विज्ञान विभाग), डॉ. शाम्भवी मिश्रा (सांख्यिकी विभाग), डॉ. अलका मिश्रा (गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग) और

वर्ष 2021-22 में प्रो. ध्रुवसेन सिंह व प्रो. आरपी सिंह को एक्लेम पुरस्कार

डॉ. नरेन्द्र कुमार मौर्या (व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग) को दिया गया।

वहीं, उद्दीपन योजना के अन्तर्गत उत्कृष्ट शोधपत्र प्रकाशित करने वाले 32 शिक्षकों व 34 शोधार्थियों को प्रमाण पत्र के साथ 1100 रुपये पारितोषिक के रूप में दिये गये। कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि तीन वर्ष पूर्व एक्लेम, प्रोत्साहन और उद्दीपन के नाम से इसे बूस्ट प्रोग्राम के तहत शुरू किया गया था। हमें इंपैक्ट फैक्टर के जनरल के अलावा भी उन विषयों के जनरल को भी शामिल करना होगा, जो इंपैक्ट फैक्टर में नहीं आते हैं लेकिन अच्छा शोध कार्य कर के प्रकाशित कर रहे हैं। रिसर्च सेल से अपेक्षा है कि वे इस विषय को अगली बार से ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा कि अंतर्विषयी शोध को बढ़ावा देना चाहिए। इस मौके पर डीन एकेडमिक प्रो. पूनम टण्डन, डॉ. शाम्भवी मिश्रा आदि मौजूद रहे।

NBT PAGE 4

पहले एलयू में रजिस्ट्रेशन, तब संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश आवेदन

विद्यार्थियों को जमा करना होगा ₹100 शुल्क

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू और इससे संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश आवेदन से पहले छात्र-छात्राओं को अब एलयू की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। यह नई व्यवस्था छात्रों के उचित डेटा मैनेजमेंट के लिए की गई है।

एलयू से कुल 545 कॉलेज संबद्ध हैं। रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने बताया कि नए सत्र में एलयू और इससे संबद्ध कॉलेजों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को पहले एलयू के एडमिशन पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके लिए 100 रुपये शुल्क देना होगा और नाम, पता, मोबाइल नंबर समेत कई जानकारियां फीड करनी होंगी। अगर स्टूडेंट एलयू में प्रवेश लेता है तो वेबसाइट पर खुद ही डेटा अपडेट हो जाएगा। वहीं, किसी कॉलेज में प्रवेश लेने पर स्टूडेंट को सिर्फ यूनिक आईडी नंबर बताना होगा। कॉलेज यह यूनिक आईडी एलयू को भेजेगा। इसके बाद एलयू स्टूडेंट का डेटा अपडेट कर लेगा।

अब कसेगा शिकंजा: अभी तक स्टूडेंट्स के प्रवेश का पूरा डेटा परीक्षा फॉर्म भरने के बाद मिल पाता था। स्त्रों के मुताबिक, कॉलेज परीक्षा फॉर्म भरे जाने तक प्रवेश लेते रहते थे। इससे स्टूडेंट की सही से पढ़ाई भी हो नहीं पाती थी। वहीं, आखिरी समय में डेटा मिलने से यह भी तय नहीं होता था कि कितने पेपर छपवाए जाएं। ऐसे में अब पहले से डेटा होने पर कॉलेजों पर शिकंजा भी कसा जा सकेगा।

3 अप्रैल से शुरू होगी केकेसी की प्रवेश प्रक्रिया

■ **एनबीटी सं, लखनऊ:** केकेसी में प्रवेश प्रक्रिया तीन अप्रैल से शुरू होगी। स्टूडेंट बीए, बीकॉम, बीकॉम ऑनर्स, बीएससी (मैथ्स/सीएस/स्टेट), बीएससी बायो, एलएलबी, बीबीएआईबी, एमकॉम, एमएसी-फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी, एमए-इकनॉमिक्स, इंग्लिश, सोशियोलॉजी, हिन्दी और बीपीएड में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इन सभी कोर्सों की सीटों का ब्योरा जारी कर दिया गया है।

एक्लेम, प्रोत्साहन और उद्दीपन पुरस्कार दिए गए

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** एलयू की बूस्ट स्कीम के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2021-22 में चयनित शिक्षकों एवं शोधार्थियों को एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने पुरस्कृत किया। सत्र 2021-22 में प्रो. ध्रुवसेन सिंह और प्रो. आरपी सिंह को एक्लेम पुरस्कार प्रदान किया गया है। एलयू ने अपने स्तर से प्रमाणपत्र के साथ पांच हजार रुपये का पुरस्कार दिया। वहीं उत्कृष्ट शोध परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार 20,000 रुपये सीड मनी के साथ-साथ प्रमाणपत्र दिए जाते है। इस वर्ष यह पुरस्कार डॉ. सुचित स्वरुप, डॉ. आकांक्षा शर्मा, डॉ. आशुतोष रंजन, डॉ.मनोज कुमार (जन्तु विज्ञान विभाग), डॉ. शाम्भवी मिश्रा (सांख्यिकी विभाग), डॉ. अलका मिश्रा (गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग), डॉ. नरेन्द्र कुमार मौर्या (व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग) को प्रदान किया गया है। उद्दीपन योजना के तहत उत्कृष्ट शोधपत्र पर पारितोषिक दिये गये हैं।

एलयू: नौशिक्षकों को सीड मनी पुरस्कार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की बूस्ट स्कीम के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2021-22 में चयनित शिक्षकों व शोधार्थियों को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गुरुवार को पुरस्कृत किया। मालवीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सत्र 2021-22 में उत्कृष्ट शोध परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार 20 हजार रुपये सीड मनी के साथ-साथ प्रमाणपत्र दिए गए। यह पुरस्कार डॉ. सुचित स्वरुप, डॉ. आकांक्षा शर्मा, डॉ. आशुतोष रंजन, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. शाम्भवी मिश्रा, डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. नरेन्द्र कुमार मौर्या आदि को दिया जाएगा।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि में शिक्षकों व शोधार्थियों को किया गया पुरस्कृत

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को शैक्षणिक सत्र 2021-22 में चयनित शिक्षकों एवं शोर्धार्थियों को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पुरस्कार वितरित किया। कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए प्रो. राजीव पाण्डेय, अधिष्ठाता शोध ने अवगत कराया कि इस प्रकार का आयोजन निरन्तर तृतीय वर्ष किया जा रहा है तथा सत्र 2021-22 में दो आचार्य प्रो. ध्रुवसेन सिंह एवं प्रो. आर.पी. सिंह को एक्लेम पुरस्कार दिया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने स्तर से प्रमाणपत्र के साथ-साथ पाँच हजार रुपये पारितोषिक के रूप में देता है। उत्कृष्ट शोध परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए 20,000 रुपए सीड मनी के साथ-साथ प्रमाणपत्र दिये जाते है। इस वर्ष यह पुरस्कार डा. सुचित स्वरूप, डा. आकांक्षा शर्मा, डा. आशुतोष रंजन, डा. मनोज कुमार (जन्तु विज्ञान विभाग), डा. शाम्भवी मिश्रा (सांख्यिकी विभाग), डा. अलका मिश्रा (गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग), डा. नरेन्द्र कुमार मौर्या (व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग) को दिया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि के आईएमएस पाठ्यक्रम में होगा बदलाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज का पूरा पाठ्यक्रम इंडस्ट्री के मांग के अनुसार बदला जाएगा। आईएमएस के आगामी 10 वर्षीय विजन प्लान में यह बिन्दु प्रमुखता से रखा गया है। ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने बताया कि सभी तरह की अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ ऑडिटोरियम बनाने, स्मार्ट रिकॉर्डिंग डबिंग स्टूडियो और आईएमएस भवन का विस्तार कर तीसरी और चौथी मंजिल बनाने का प्लान भी है।

पूरे परिसर में वाई-फाई सुविधा, डिजिटल लाइब्रेरी, कम्प्यूटर लैब को नई विंडोज आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ अपग्रेड किया जाएगा। प्रो. विनीता काचर का कहना है कि विपणन, मानव संसाधन, वित्त, व्यवसाय विश्लेषिकी, एंटरप्रीन्योरशिप और स्टार्ट-अप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के साथ उन्नयन के लिए सीखने, अनुसंधान और नवाचार की भी चर्चा हुई।

JAGRAN CITY PAGE III

छूटी हुई परीक्षा 10 व 11 को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी केमिस्ट्री तीसरे व पांचवें सेमेस्टर के छूटे हुए छात्र-छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षा 10 व 11 अप्रैल को होगी। गुरुवार को विभाग के हेड प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया। 31 मार्च से पहले 500 रुपये आनलाइन फीस जमा करनी होगी। (जासं)

मांगी खाता संख्या

लखनऊ : लवि ने सत्र 2021-22 के उद्दीपन, प्रोत्साहन व एक्लिम योजना के तहत अवार्ड के लिए शिक्षकों व शोधार्थियों का चयन किया जा चुका है। अब इन सभी को पुरस्कार की राशि दी जानी है। इसके लिए कुलसचिव संजय मेधावी ने सूची जारी कर बैंक खाता संख्या, बैंक का नाम, आइएफएस कोर्ड व पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति अधिष्ठाता शोध को ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध कराने के लिए कहा है। (जासं)

आवेदन से पहले पंजीकरण कराना अनिवार्य

लवि ने कैंपस व पांच जिलों के संबद्ध डिग्री कालेजों के लिए लागू की नई व्यवस्था

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में आगामी सत्र के दाखिले से पहले अभ्यर्थियों को लवि के पोर्टल पर आनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इसके लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को 100 रुपये का शुल्क जमा करना होगा। यह राशि आवेदन शुल्क से अलग होगी। इसके बाद विश्वविद्यालय उन्हें एक यूनीक पंजीकरण नंबर देगा। इसके आधार पर वह किसी भी महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेगा। उसमें यह नंबर भी भरना होगा। वित्त समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

लवि से लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर व लखीमपुर खीरी के 545 कालेज सम्बद्ध हैं। अभी तक कालेजों में आवेदन के लिए अभ्यर्थी सीधे आनलाइन एवं आफलाइन आवेदन फार्म भरते हैं। लेकिन नए सत्र से एक नई व्यवस्था लागू होगी। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि अब कैंपस व डिग्री कालेजों में प्रवेश के लिए जो भी अभ्यर्थी आवेदन करेगा, उसे सबसे पहले लवि पोर्टल पर आनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसमें उन्हें अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित पूरा विवरण देना होगा। इसके लिए 100 रुपये शुल्क लगेगा। प्रत्येक अभ्यर्थी को एक यूनीक आइडी मिलेगी, उसके माध्यम से वह विश्वविद्यालय एवं कालेजों में प्रवेश फार्म भर सकेंगे। प्रवेश के समय उन्हें पंजीकरण का प्रिंट भी जमा करना होगा।

लवि के पास होगा पूरा डेटा : अभी तक लवि को परीक्षा फार्म भरने पर पता चलता था कि कालेजों में कितने प्रवेश हुए। अब पंजीकरण के बाद कालेजों को अपने यहां हुए प्रवेश की रिपोर्ट भेजनी होगी। इसमें यूनीक आइडी नंबर से पता चल सकेगा कि किस छात्र ने किन कोर्स में प्रवेश लिया है। कुलसचिव ने बताया कि जो कालेज केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया के तहत लवि से जुड़े हैं, उन पर भी यह नई व्यवस्था लागू होगी।

पढ़ेगा विद्यार्थियों पर भार : सेल्फ फाइनेंस डिग्री कालेज एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश सिंह का कहना है कि लवि पहले ही 500 रुपये एनरोलमेंट का ले रहा है। वही ज्यादा है। अब 100 रुपये का अतिरिक्त भार अभ्यर्थियों पर डालना उचित नहीं है।

सुभाष कालेज : आनलाइन किताबें पढ़ने की सुविधा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज में पढ़ने वाली स्नातक व परास्नातक की छात्राओं से लेकर शिक्षिकाओं को घर बैठे भी कोर्स की आनलाइन किताबें पढ़ने की सुविधा मिलेगी। कालेज परिसर में ई-लर्निंग पार्क की स्थापना की गई है। कालेज की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने बताया कि शासन ने ई-लर्निंग पार्क के लिए तीन लाख 80 हजार रुपये का अनुदान दिया था। इससे महाविद्यालय परिसर को वाई-फाई सुविधा से लैस करते हुए अब छात्राओं को निश्शुल्क इंटरनेट की सुविधा दी गई है। महाविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर एप्सेस प्वाइंट भी बनाए गए हैं।

वाईफाई होगा कैंपस, इंडस्ट्रियल टूर पर जाएंगे विद्यार्थी

लखनऊ विश्वविद्यालय का इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) संस्थान उत्कृष्ट ही अपने एमबीए व बीबीए पाठ्यक्रमों को इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुसार अपडेट करेगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा संस्थान परिसर को पूरी तरह से वाईफाई की सुविधा से लैस करेगा। विद्यार्थियों को राजधानी के बाहर इंडस्ट्रियल टूर पर भी जाने का मौका मिलेगा। आइएमएस ने अपने विजन प्लान में कुछ इसी तरह का प्रस्ताव बनाकर डीन एकेडमिक्स के पास प्रस्ताव भेज दिया है। लवि के द्वितीय परिसर में आइएमएस संस्थान स्थापित है। यहां एमबीए, बीबीए पाठ्यक्रम चलते हैं। संस्थान की ओएसडी प्रो. विनीता काचर ने बताया कि वर्तमान समय में कोर्स की इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुसार तैयार किया जा रहा है, जिसे बोर्ड आफ स्टडीज और गवर्निंग बाडी से अनुमति लेकर लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी तक विद्यार्थियों को शहर में ही इंडस्ट्रियल टूर पर ले जाया जाता था। अब शहर के बाहर भी इस साल इंडस्ट्रियल टूर पर ले जाएंगे। आइएमएस के विजन प्लान में अत्याधुनिक आडिटोरियम बनाने, शिक्षकों के कक्षों को अपग्रेड करने, विशेष व्याख्यान और वीडियो रिकार्ड करने के लिए एक स्मार्ट रिकार्डिंग स्टूडियो बनाने की योजना है। ओएसडी के अनुसार आइएमएस भवन तीसरी और चौथी मंजिल का विस्तार भी करेगा।

डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा

: संस्थान में कंप्यूटर नेटवर्किंग के साथ पुस्तकालय के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए उसे डिजिटलाइज किया जाएगा। कंप्यूटर लैब को नवीनतम विंडोज आधारित आपरेटिंग सिस्टम के साथ साफ्टवेयर डेटा एनालिटिक्स, औद्योगिक साफ्टवेयर के साथ अपग्रेड किया जाएगा।

परीक्षा में नकल करते धरे गए 17 परीक्षार्थी

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक व परास्नातक सेमेस्टर परीक्षाओं में गुरुवार को नकल रोकने को लेकर उड़ाका दल ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दोनों पालियों में 17 परीक्षार्थी नकल सामग्री के साथ धरे गए। इनमें चार छात्राएं भी शामिल रहीं। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार दोनों पालियों को मिलाकर 83,106 परीक्षार्थी शामिल हुए। 489 ने परीक्षा छोड़ दी। (जासं)

शिक्षक को मिला पुरस्कार

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डा. रवीन्द्र प्रताप सिंह को विश्वविद्यालय की ओर से एविलम अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। यह अवार्ड उन्हें डा. राम कुमार वर्मा बाल नाटक पुरस्कार 2020 प्राप्त होने की वजह से दिया गया है। उन्होंने बताया कि लवि अपने उन शिक्षकों को एविलम अवार्ड देता है, जिन्हें राजकीय, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी पुरस्कार से नवाजा गया हो। (जासं)

एलयू न्यू कैम्पस में स्टूडेंट्स को अब मिलेगी स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग

न्यू कैम्पस में इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी रिसोर्स सेंटर खुलेगा

LUCKNOW (16 March): लखनऊ यूनिवर्सिटी के न्यू कैम्पस में स्टूडेंट्स को हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में स्किल्ड करने की तैयारी हो रही है. एलयू के न्यू कैम्पस में जल्द ही इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी रिसोर्स सेंटर बनने जा रहा है. इस सेंटर में दो हजार के करीब कंप्यूटर लगाए जाएंगे साथ ही उनमें सेंट्रलाइज्ड इंटरनेट की व्यवस्था के साथ कई अन्य सुविधाएं भी दी जाएंगी.

इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में खुलेगा सेंटर

अधिकारियों ने बताया कि न्यू कैम्पस के इंजीनियरिंग फैकल्टी में इस सेंटर को खोला जाएगा. यहां के बीटेक स्टूडेंट्स के साथ उन स्टूडेंट्स को भी कौशल विकास की ट्रेनिंग दी जाएगी, जो बीटेक नहीं कर रहे हैं. इससे वे सीखकर अपने स्टार्टअप की शुरुआत कर सकेंगे. इसके लिए उनको ट्रेनिंग देने की भी योजना है. इस सेंटर को लेकर विजन डॉक्युमेंट के तहत प्रस्ताव बनाकर अधिष्ठाता छात्र कल्याण को भेजा गया है.

सर्टिफिकेट कोर्स की योजना

इस सेंटर के तहत स्टूडेंट्स को अलग-अलग प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर विचार किया जा रहा है. इसके अलावा लोगों को कंप्यूटर ट्रेनिंग की क्लासेस के साथ सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू करने की योजना है. फैकल्टी की ओर से तीन साल का विजन प्लान बनाया गया है.

वेस्ट मैनेजमेंट का भी सेंटर

छात्र कल्याण अधिष्ठाता को भेजे गए प्रस्ताव में सेंटर फॉर वेस्ट मैनेजमेंट बनाने का भी प्रस्ताव है. इस सेंटर में विवि मोबाइल, कंप्यूटर व वेस्ट इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से नए प्रोडक्ट तैयार किए जाएंगे. इसके लिए लैब भी बनाई जाएगी और उससे संबंधित कोर्स शुरू किए जाएंगे.

लॉ फैकल्टी में भी लाइब्रेरी

विजन प्लान में लॉ फैकल्टी में लाइब्रेरी बनाने के लिए अलग से बिल्डिंग का प्रस्ताव भेजा है. अभी लाइब्रेरी एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग में चल रही है. इसके अलावा दो हजार की क्षमता वाले ऑडिटोरियम का प्रस्ताव भी विजन प्लान का हिस्सा है. दरअसल, राज्यपाल ने एलयू समेत सभी विवि से 10 साल का विजन प्लान मांगा है. इस विजन प्लान के तहत एलयू की सभी फैकल्टी अपना-अपना प्लान छात्र कल्याण अधिष्ठाता को भेज रहे हैं.

PIONEER PAGE 4

बूस्ट स्कीम के तहत चयनित शिक्षकों को कुलपति ने किया सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ विवि की बूस्ट स्कीम के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2021-22 में चयनित शिक्षकों एवं शोधार्थियों को गुरुवार को लखनऊ विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने पुरस्कार वितरण किया। कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए प्रो डीन रिसर्च राजीव पाण्डेय ने बताया कि इस प्रकार का आयोजन निरन्तर तृतीय वर्ष किया जा रहा है तथा सत्र 2021-22 में दो आचार्य प्रो. ध्रुवसेन सिंह एवं प्रो आर पी सिंह को एक्लेम पुरस्कार प